BUDDHA PURNIMA CELEBRATED BY THE MEMBERS OF

PALI SOCIETY OF INDIA

किसी भी तरह के द्वेष को जगह नहीं देती भारतभूमि-कुलपति

वाराणसी (काशीवार्ता)। गुरुवार को बुद्ध जयंती के उपलक्ष्य में सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.राजाराम शुक्ल ने वर्तमान परिदृश्य में बुद्ध के प्रवचनों का सम्बंध व महत्त्व पर अपने अध्यक्षीय उद्बोधन मे कहा की भारत की भूमि किसी भी तरह के द्वेष को जगह नहीं देती है कि यहां पर किसी भी तरह का दुःखद समय अधिक दिनों तक नहीं रह पाता। यह ऋषि मुनियों का स्थान है। कुलपति ने कहा कि आज सम्पूर्ण विश्व में जिस महामारी से लोग घिरे हुये महसूस कर रहे हैं उसको दूर करने के भाव को बुद्ध जी ने अपने उपदेशों के माध्यम से निवारण बताये थे जिसमें दुख है तो दुख का कारण होगा और उसका निवारण या नाश भी होगा।

मुख्यअतिथि महाबुद्ध सोसाइटी के सेक्रेटरी मा.पी.शिवलि महाथिरो ने कहा की धम्म दान सबसे महत्वपूर्ण दान है। यह धर्म मंच है इसके माध्यम से सम्पूर्ण देश में आज की पारिस्थिति का ज्ञान कराया जा रहा है यह बुद्ध के उपदेश के दिशा की एक कड़ी है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के वरिष्ठ आचार्य प्रो.विमलेंद्र कुमार ने कहा कि महात्मा बुद्ध ने सदैव मानव कल्याण का निवारण किया। विशिष्ट अतिथि जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय दिल्ली के आचार्य सी. उपेन्द्र राव ने कहा की कोरोना वायरस को दूर करने के लिये अप्रमाद की आवश्यकता है। अप्रमाद अमृत पद है हमेशा जागृत करने से सभी का बचाव सम्भव है। वेबिनार में अतिथियों का स्वागत प्रो. रमेश कुमार द्विवेदी ने व धन्यवाद प्रो. हर प्रसाद दीक्षित ने किया।

चंदौली में अब दुकानें 12 बजे तक ही खुलेंगी

सैयदराजा(चंदौली)। चन्दौली में दुकानें आज शुक्रवार से अब सुबह 7 बजे से 12 बजे तक ही खुल पाएंगी। यह बात उप जिलाधिकारी सदर विजय नारायण सिंह ने मीटिंग के दौरान सैयदराजा कोतवाली में कही। कुछ दिन पूर्व ही जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल ने सुबह 7 से शाम 7 बजे तक खोलने का निर्देश दिया था। उप जिलाधिकारी ने कहा कि अब दुकाने सोमवार से 12 बजे तक ही खुल पाएगी। दुकान खोलने के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना अनिवार्य होगा।

बुद्ध पूर्णिमा भगवान बुद्ध के संदेश आज के परिवेश में भी प्रासंगिक, संदेशों को पूरी दुनिया में पहुंचाने का करना होगा कार्य

मानव कल्याणार्थ है भगवान बुद्ध का संदेश: सीएम

जागरण संवाददाता, कुशीनगर: बुद्ध पूर्णिमा के मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बौद्ध अनुयाइयों से भगवान बुद्ध के शांति, करुणा और मैत्री का संदेश साझा किया। उनके संदेश को मानव कल्याणार्थ बताया। साथ ही सभी से मानव कल्याण के मार्ग पर चलने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी को भगवान बुद्ध के संदेशों को भारत की धरती से पूरी दुनिया में पहुंचाने का कार्य करना होगा। आज पूरा विश्व कोरोना महामारी की चपेट में है। यह अब तक की सबसे बड़ी महामारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समय से लिए गए निर्णयों के कारण आज भारत विश्व की तुलना में काफी सुरक्षित है। हमें सुरक्षित रहने के लिए सरकार के निर्देशों का पालन करना होगा। कोरोना हारेगा, भारत जीतेगा।

मुख्यमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग

कुशीनगर में बौद्ध भिक्षुओं से वीडियो कांफ्रेंसिंग करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ● जागरण

कर बौद्ध भिक्षुओं से बात करने व बौद्ध धर्म के लिए अच्छा कार्य करने को प्रेरित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान के अध्यक्ष भिक्षु शांति मित्र के प्रयासों की सराहना की। बौद्ध अनुयायी संजीव कुमार उपाध्याय ने कहा कि मुख्यमंत्री से संवाद कर वह आह्लादित हैं।

कोरोना की शांति के लिए हुई विशेष पूजा: वैश्विक महामारी के चलते लॉकडाउन के कारण

कुशीनगर स्थित श्रीलंका बुद्ध विहार में शारीरिक दूरी बनाकर पूजा करते बौद्ध भिक्षु ● जागरण

अंतरराष्ट्रीय पर्यटक केंद्र कुशीनगर में 2564 वीं बुद्ध जयंती पर गुरुवार को कोई बड़ा समारोह आयोजित नहीं हुआ। विभिन्न बुद्ध विहारों और संस्थानों में बौद्ध भिक्षुओं व उपासकों ने विश्व में करुणा, मैत्री व शांति की स्थापना के साथ-साथ कोरोना महामारी के खात्मे के लिए विशेष पूजा की। एबी ज्ञानेश्वर, भिक्षु शील प्रकाश, डॉ. भिक्षु नंद रतन, भिक्षु महेंद्र, भंते नंदिया, भंते तेजेंद्र, भंते विनय, राजेश मणि त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी के कुशीनगर स्थित आवास पर विशेष पूजा हुई। अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान के पूर्व अध्यक्ष भिक्षु महेंद्र की अध्यक्षता में बुद्ध वंदना, धम्म वंदना व संघ वंदना हुई। भंते मुलायम, दिव्येंदु मणि त्रिपाठी, डा. मैनेजर यादव, ओमप्रकाश सुबोध कुमार आदि उपस्थित रहे।

स्वतंत्र चेतना
www.swatantrachetnanews.com

कोई वस्तु उत्पन्न होती है तो उसका समूल नाश भी अवश्य होगा–प्रो.राजाराम शुक्ल

ब्यूरो प्रमुख

वाराणसी। सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो राजाराम शुक्ल की अध्यक्षता में आज श्रमण विद्या संकाय के तत्वावधान में अपराह्न बुद्ध जयंती के उपलक्ष्य में रेलवेंस ऑफ़ द सरमंस ऑफ़तथागत बुद्धा इन प्रेजेंट सेनारियो,वर्तमान परिदृश्य में बुद्ध के प्रवचनों का सम्बंध एँव महत्वद्धया वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बुद्ध की प्रासंगिकता विषय पर अध्यक्षीय उद्बोधन मे कहा की भारत की भूमि किसी भी तरह के द्वेष को जगह नहीं देती है यहां पर किसी भी तरह का दुखद समय अधिक दिनो तक नही रह पाता क्यों की यह ऋषी मुनियों का स्थान है। कुलपति प्रो शुक्ल ने कहा की आज सम्पूर्ण विश्व मे जिस महामारी से लोग घिरे हुये महसूस कर रहे हैं उसको दूर करने के भाव को बुद्ध जी ने अपने उपदेशों के माध्यम से निवारण बताये थे जिसमें दुख है तो दुख का काराण

होगा और उसका निवारण या नाश भी होगा। कुलपति प्रो शुक्ल ने कहा की यदि कोई वस्तु उत्पन्न होती है तो उसका समूल नाश भी अवश्य होगा। इस देश में ऋषियों मुनियों ने सदैव इसके यानी दुख के नाश का कारण भी पाया। जैसे किसी वृक्ष मे रोग लग जाये तो उसको स्वस्थ रखने के लिये रोग नाश का कारण दूर करके उसे ठीक करेंगे। आज कोरोना योद्धा सदैव इसके मूल के कारण को तैयार कर दूर कर रहे है। मुख्या अतिथि महाबुद्ध सोशायटी के जनरल सेक्रेटरी मा पी शिवलि महाथिरो ने कहा की धम्म दान सबसे महत्वपूर्ण दान है यह बहुत बडी उपलब्धी है।

विशेष पूजा के साथ बुद्ध पूर्णिमा मनाई

कुशीनगर। वैश्विक महामारी के चलते लॉक डाउन के कारण अंतरराष्ट्रीय पर्यटक केंद्र कुशीनगर में 2564 वीं बुद्ध जयंती पर गुरुवार को गत वर्षों की भांति कोई बड़ा समारोह आयोजित नहीं हुआ ।
विभिन्न बुद्ध विहारों और संस्थानों में बौद्ध भिक्षुओं व उपासकों ने विश्व में करुणा , मैत्री व शांति की स्थापना के साथ - साथ कोरोना महामारी के खात्मे के लिए विशेष पूजा की । एबी ज्ञानेश्वर , भिक्षु शील प्रकाश ,डॉ भिक्षु नंद रतन , भिक्षु महेंद्र , भंते नन्दिया , भंते तेजेंद्र , भंते विनय , राजेश मणि त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे ।

आज पूर्वांचल गोरखपुर शुक्रवार ०८ मई,२०२० ११

लॉकडाउन के बीच सादगी पूर्ण ढंग से मनाया गया २५६४वीं बुद्ध जयंती

कुशीनगर । भगवान बुद्ध की 2564 वीं त्रिविध पावनी जयंती वैश्विक महामारी कोविड -19 के साये के बीच कुशीनगर में सादगी पूर्ण व सोशल डिस्टेंस का अनुपालन के साथ मनाया गया।

गुरूवार को सुबह म्यामांर बुद्ध बिहार में स्तुप के सामने कुशीनगर भिक्षु संघ के अध्यक्ष अग्ग महापंडित भदन्त ज्ञानेश्वर के नेतृत्व में संस्था के सदस्य भन्ते व स्थानीय लोगों के द्वारा तथागत के विधिवत पूजन वन्दन के साथ बुद्ध पूर्णिमा मनाया गया।

म्यामांर मन्दिर परिसर में भदन्त ज्ञानेश्वर ने भगवान बुद्ध के लगभग 200 अनुयाईयों को एक सोशल एप्प के माध्यम से सम्बोधित करते हुए कहा कि कोरोना वायरस के कारण इस बार कुशीनगर में धूमधाम से बुद्ध पूर्णिमा नहीं मनाया जा सका । क्योंकि यह वैश्विक महामारी जाति धर्म व गरीब अमीर देखकर नहीं प्रभावित करती । इससे बचने के लिए सभी को अपने घरों में ही रहना होगा व सरकार के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए अपने जीवन को सुरक्षित करना होगा ।

भगवान बुद्ध ने दान को महत्व दिया है । अत: इस परिस्थिति में हम सभी को अपने आस पास के लोगों के गरीब लोगों को जिनको मदद की आवश्यकता है । उन्हें मदद करना सबसे पुण्य का कार्य होगा। म्यामांर बुद्ध बिहार में सम्पन्न पूजा के बाद श्रीलंका बुद्ध बिहार कुशीनगर में भन्ते नन्दरत्न के नेतृत्व में महापरित्राण पाठ के साथ तथागत का पूजन वन्दन हुआ । इस दौरान भन्ते आलोक, भन्ते नंदिया, भन्ते संघ रक्षित, भन्ते खेमचरा , भन्ते धम्म मानो, आदित्य शाक्य, गौतम शाक्य, अंगद यादव, ब्रजेश कुशवाहा, सुरेश माली आदि उपस्थित रहे।

कुशीनगर के विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी के आवास पर अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान के पूर्व अध्यक्ष भिक्षु महेंद्र की देख रेख में हुई पूजा में मानवता पर आए संकट से निजात दिलाने की प्रार्थना की गई। विधायक ने कहा कि बौद्ध धर्म वैज्ञानिक धर्म है। इसलिए इसकी प्रासंगिकता निरंतर बढ़ रही है। बुद्ध के बताए मार्ग पर चलकर विश्व में करुणा, मैत्री व शांति की स्थापना की जा सकती है। विशेष पूजा भंते नन्दरत्न, भंते अशोक, भंते मुलायम, दिव्येन्दु मणि त्रिपाठी, वीरेंद्र तिवारी, डॉ. अनिल कुमार सिन्हा, अनुपम पाठक, राम प्रताप चौरसिया, बाबू चकमा, अनिल मल्ल आदि ने भाग लिया। इसीक्रम ज्ञानेश्वर बुद्ध बिहार में भी भन्ते महेंद्र के नेतृत्व में एक न्यूज चैनल के मैनेजिंग एडिटर विनय राय, समाजसेवी राकेश जायसवाल, वरिष्ठ पत्रकार दिनेश तिवारी , मस्तराज सिंह ने मोमबत्ती जलाकर भगवान बुद्ध का पूजन वंदन किया। कुशीनगर स्थित पथिक निवास के प्रबंधक राजेश मणि त्रिपाठी व उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के पर्यटन सूचना अधिकारी प्राणरंजन ने पथिक निवास परिसर स्थित भगवान बुद्ध के मूर्ति पर माल्यापर्ण व पूजन किया। इसके बाद सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए आयोजित गोष्ठी में भगवान बुद्ध के उपदेशों का आज के दौर में प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला गया। अपने सम्बोधन में प्रबंधक त्रिपाठी ने कहा कि लुम्बिनी में गौतम बुद्ध के बुद्ध पूर्णिमा पर जन्म के कारण बुद्ध जयंती के रूप में मनाई जाती है। इसी दिन बुद्ध को बोधगया में बोधि वृक्ष के नीचे ज्ञान की प्राप्?ति हुई थी और इसी दिन कुशीनगर में बुद्ध को निर्वाण की प्राप्ति हुई। इस नाते पूरी दुनिया के बौद्ध समुदाय में यह दिन खास महत्व रखता है। टीआईओ प्राणरंजन ने भी अपने सम्बोधन में भगवान बुद्ध की शान्ति करुणा व मैत्री के संदेश को विश्व के लिए जरूरी बताया। कोरोना महामारी पर प्रकाश डालते हुए जरूरतमंद लोगों की सहायता को महासेवा बताया। इस अवसर पर संजीव बंदोपाध्याय, भगवती, तोप बहादुर थापा, महबूब, रितेश दुबे,

आदि मौजूद रहे। बुद्ध जयन्ती पर वाट थाई मोनास्ट्री , तिब्बती बुद्ध बिहार , श्रीलंका जापान बुद्ध बिहार, चीनी बुद्ध बिहार आदि कुशीनगर स्थित सभी बुद्ध बिहारो में भगवान बुद्ध की पूजा वन्दन किया गया।

एक नजर -कुशीनगर और भगवान बुद्ध

बुद्ध महापरिनिर्वाण विहार या निर्वाण मंदिर कुशीनगर का प्रमुख आकर्षण है। इस मंदिर में महात्मा बुद्ध की 6.10 मीटर लंबी लेटी हुई प्रतिमा स्थापित है। कहते हैं कि 1876 में खुदाई के दौरान यह प्रतिमा प्राप्त हुई थी। यह प्रतिमा चुनार के बलुआ पत्थर को काटकर बनाई गई है। प्रतिमा के नीचे खुदे अभिलेख के अनुसार कह सकते हैं कि इस प्रतिमा का संबंध पांचवीं शताब्दी से है। ऐसा भी कहा जाता है कि हरीबाला नामक बौद्ध भिक्षु गुप्त काल के दौरान यह प्रतिमा मथुरा से कुशीनगर लाया था। इस बार वैश्विक महामारी के कारण मन्दिर पहली बार बुद्ध पूर्णिमा को बन्द रही । वही बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर में स्थित इस महापरिनिर्वाण विहार पर एक माह का लगने वाला मेला भी स्थगित है। यद्यपि यह तीर्थ गौतम बुद्ध से संबंधित है, लेकिन आस-पास के क्षेत्र में हिंदू धर्म के लोगों की संख्या ज्यादा है और यहां के विहारों में पूजा-अर्चना करने वे बड़ी श्रद्धा के साथ आते हैं। इस विहार का महत्व बुद्ध के महापरिनिर्वाण से जुड़ा होने के कारण काफी ज्यादा है। मंदिर का स्थापत्य अजंता की गुफाओं से प्रेरित है। इस विहार में भगवान बुद्ध की लेटी हुई यानि भू-स्पर्श मुद्रा में 6.1 मीटर लंबी मूर्ति है। जो लाल बलुई मिट्टी की बनी है। यह विहार उसी स्थान पर बनाया गया है, जहां से यह मूर्ति निकाली गयी थी।

विहार के पूर्व हिस्से में एक स्तूप है। यहां पर भगवान बुद्ध का अंतिम संस्कार किया गया था। यह मूर्ति भी अजंता में बनी भगवान बुद्ध की महापरिनिर्वाण मूर्ति की प्रतिकृति है।

शीघ्रपतन, नामर्दी
नई ताकत जोश व स्फूर्ति प्रदायक
लिंग 1 से 2 इंच लम्बा मोटा करें
शक्ति बढ़ाए, धातुक्षीणता दूर करे,
शीघ्रपतन निवारक परमानेंट सैक्स पावर
आश्चर्यजनक लिंग शक्तिवर्धक
विश्व का सर्वश्रेष्ठ
सिकंदरे आज़म
सैक्स व लिंगवर्धक हर्बल कैप्सूल
मेडिकल स्टोर से खरीदें या फोन करें
09997161320-07520246143

आश्चर्यजनक
लिंगवर्धक
लिंग1से2इंच लम्बा मोटा करें
अधिक सैक्स टाईम, जोरदार उफान अधिक जोश, नई खोज, चमत्कारी खाने लगाने का सफल इलाज। फोन करें घर बैठे दवाएं मंगाएं।
बे औलाद निल सुकामु, सलाह लें स्थापित 1929
हाशमी दवाखाना
काजीजादा, अमरोहा-UP

Tweets

You Retweeted

आकाशवाणी समाचार @AI... · 1h

भगवान बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर में लॉकडाउन के कारण महापरिनिर्वाण मन्दिर बन्द रहा। म्यांमार और श्रीलंका बौद्ध विहार सहित विभिन्न बौद्ध विहारों में सामाजिक दूरी का पालन करते हुए बौद्ध भिक्षुओं ने बुद्ध पूर्णिमा का त्योहार सादगी से मनाया।

रिपोर्ट : डॉ विवेक पाण्डेय

2 24 174

संस्कृत विवि में बुद्ध जयंती पर वेबिनार सम्पन्न

वाराणसी। सम्पूर्णानन्द संस्कृत विवि के श्रमण विद्या संकाय के तत्वावधान में बुद्ध जयंती पर बृहस्पतिवार को रेल्वेंस ऑफ़ द सरमंस ऑफ़ तथागत बुद्धा इन प्रेजेंट सेनारियो (वर्तमान परिदृश्य में बुद्ध के प्रवचनों का सम्बंध एंव महत्व) या वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बुद्ध की प्रासंगिकता विषय पर कुलपति प्रो. राजाराम शुक्ल ने कहा कि भारत की भूमि किसी भी तरह के द्वेष को जगह नहीं देती है। यहां पर किसी भी तरह का दुखद समय अधिक दिनों तक नहीं रह पाता क्योंकि यह ऋषि मुनियों का स्थान है। मुख्य अतिथि महाबुद्ध सोसाइटी के जनरल सेक्रेटरी मा.पी. शिवलि महाथिरो ने कहा कि धम्म दान सबसे महत्वपूर्ण दान है। भगवान बुद्ध के उपदेश भी आज की स्थिति के अनुसार हमें मार्ग देते हैं हमें हमारी सुरक्षा का भाव कराते हैं। बीएचयू के पाली विभाग के वरिष्ठ आचार्य (प्रो) विमलेंद्र कुमार, विशिष्ट अतिथि के रूप में जेएनयू दिल्ली के आचार्य सी उपेन्द्र राव, प्रो. रमेश कुमार द्विवेदी ने विचार रखे। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. हर प्रसाद दीक्षित ने किया। संचालक श्रमण विद्या संकायध्यक्ष प्रो. रमेश प्रसाद थे।

भगवान बुद्धके उपदेशके माध्यमसे कोरोनाका निवारण संभव

वेबिनार में संस्कृत विश्वविद्यालय के वाइसचासंलर के विचार

भारत की भूमि किसी भी तरह के द्वेष को जगह नहीं देती है। यहां किसी भी तरह का दुखद समय अधिक दिनो तक नही रह पाता क्योंकि यह ऋषि मुनियों का स्थान है। आज सम्पूर्ण विश्व मे जिस महामारी से लोग घिरे हुये महसूस कर रहे हैं, उसको दूर करने के लिए बुद्ध ने अपने उपदेशों के माध्यम से निवारण बताये थे। जिसमें दुख है तो दुख का कारण होगा और उसका निवारण या नाश भी होगा।ये बाते गुरूवार को सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय श्रमण विद्या संकाय के तत्वावधान में बुद्ध की जयन्ती पर वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बुद्ध की प्रासंगिकता विषयक वेबिनार की अध्यक्षता करते हुये वाइसचांसलर प्रोफेसर राजाराम शुक्ल ने कही। उन्होंने कहा कि यदि कोई वस्तु उत्पन्न होती है तो उसका समूल नाश भी अवश्य होगा। मुख्य अतिथि महबुद्ध सोशायटी के जनरल सेक्रेटरी पी शिवली महाथिरो ने कहा की धम्म दान सबसे महत्वपूर्ण दान है यह बहुत बडी उपलब्धी है। यह धर्म मंच है इसके माध्यम से सम्पूर्ण देश में आज की पारिस्थिति का ज्ञान कराया जा रहा है यह भी बुद्ध जी के उपदेश के दिशा की एक कड़ी है। मुख्य वक्ता काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के पाली विभाग के वरिष्ठ आचार्य प्रोफेसर विमलेंद्र कुमार ने कहा कि महात्मा बुद्ध जन्म लेकर सदैव मानव कल्याण का निवारण किया।जब जब मानव को परेशानी आती है तब उनका जन्म किसी रुप अवश्य होता है। विशिष्ट अतिथि जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय, दिल्ली के आचार्य सी उपेन्द्र राव ने कहा की कोरोना वायरस को दूर करने के लिये अप्रमाद की आवश्यकता है।वेबिनार का स्वागत भाषण प्रोफेसर रमेश कुमार द्विवेदी एवं कार्यक्रम का संचालन आयोजक प्रोफेसर रमेश प्रसाद तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो हर प्रसाद दीक्षित ने किया । वेबिनार में सात सौ से अधिक लोगों ने प्रतिभाग किया।

BROCHURE

SAMPURNANAND SANSKRIT UNIVERSITY, VARANASI

Webinar

on 2584th Birth Anniversary of Lord Buddha

Topic - Relevance of the sermons of Tathāgata Buddha in present scenario.

Date : May 07, 2020 **Time : 2 to 4 PM (IST)**

Note : Download the Webex Meet app on PC or mobile to attend the Webinar. Fill the Registration form (without fee) to secure your seat in the Webinar. The joining link will be sent to your email id on May 07, 2020 at 10 AM.

Registration form link : https://forms.gle/jYFrCwX7g79tjJGr7

Presided by

Prof. Rajaram Shukla

Vice-Chancellor

Sampurnanand Sanskrit University, Varanasi

Convener

Prof. Ramesh Prasad

Dean - Faculty of Śramaṇa Vidyā

Sampurnanand Sanskrit University, Varanasi

Chief Guest

Ven. P. Seewalee Mahāthero

General Secretary

Maha Bodhi Society of India

Buddha Vandanā (Prayer)

Ven. Dr. Nand Ratan Thero

Secretary

Pali Society of India

Chief Speaker

Prof. Bimalendra Kumar

Head-Deptt. of Pali & Buddhist Studies, BHU, Varanasi

Guest of Honour

Prof. Ram Mohan Pathak

Vice-Chancellor- Dakshin Hindi Prachar Sabha, Chennai

Keynote Address

Prof. Hari Shankar Shukla

Ex-Head- Deptt. of Pali & Buddhist Studies, BHU, Varanasi

Welcome Speech

Prof. Ramesh K. Dwivedi

Head

Deptt. of Bauddha Darshan, Sampurnanand Sanskrit University, Varanasi

Vote of Thanks

Prof. Har Prasad Dixit

Head

Deptt. of Pali & Theravada Sampurnanand Sanskrit University, Varanasi